राजस्थान के सभी स्कूलों में सूर्य नमस्कार अनिवार्य

चर्चा में क्यों?

राज्य सरकार ने **पूरे राजस्थान के सभी सरकारी और निजी स्कूलों** में सुबह प्रार्थना सभा या सभा के दौरान 10 मिनट तक **सूर्य नमस्कार** अनिवार्य कर दिया है।

मुख्य बिंदु:

- **सूर्य सप्तमी** के अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए शिक्षा मंत्री ने यह आधिकारिक जानकारी दी।
  - आयोजन के दौरान पूरे राज्य से 1.33 करोड़ लोगों ने सूर्य नमस्कार किया।
  - इस आयोजन का रिकॉर्ड लंदन के वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड को सौंपा गया है।

सूर्य सप्तमी

- इसे **रथ सप्तमी** के नाम से भी जाना जाता है। यह एक वार्षिक हिंदू त्योहार है जो **सूर्य देवता को समर्पित** है।
- यह दो शब्दों **'रथ' और 'सप्तमी'** से मिलकर बना है।
- इस दिन **तिरुमाला** (आंध्र प्रदेश) में एक दिवसीय **ब्रह्मोत्सव** आयोजित किया जाता है।
- यह **सूर्य के जन्म** का प्रतीक है और इसे माघ सप्तमी कहा जाता है क्योंकि यह हिंदू माह माघ के सातवें दिन (सप्तमी) को आती है।
- सूर्य सप्तमी मौसम के वसंत में बदलाव और कटाई के मौसम की शुरुआत का भी प्रतीक है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/surya-namaskar-mandatory-in-all-rajasthan-schools